गया था, कीमतें बढ़ गई थीं, आज हम inflation .0 कुछ कह रहे हैं, लेकिन कीमतों में फर्क नहीं पड़ा, विशेष कर जो खाने-पीने की चीजें हैं, चाहे सब्जियां हैं या दालें हैं। मैं वित्त मंत्री जी से यह कहूंगी कि यह जो रिटेल है, चाहे वह इनकी मिनिस्ट्री के अन्दर नहीं है, लेकिन फिर भी वे इस पर गौर करें। गरीब को तब तक नहीं लगेगा कि सरकार कुछ कर रही है, जब तक कीमतें कम नहीं होगी। इसलिए इस पर भी कुछ ध्यान दिया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपना भाषण समाप्त करती हूं। धन्यवाद।

———————

RE: MALFUNCTIONING IN LIFT OF PARLIAMENT

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, I have a point to make. Sir, I was in my room and while coming back by lift I was very much worried. I request the Chair to call the Minister of Parliamentary Affairs to ask him to make a statement to the entire House on what has happened. *...(Interruptions)...* All the TV channels are showing it. *...(Interruptions)...* It is a very serious matter. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I was about to make an announcement and you got up. Eight persons were trapped in the lift. They are all rescued and they are safe. It took one or one-and-a-half hour. *...(Interruptions)...*

SOME HON. MEMBERS: Two hours, Sir. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: According to our information, it is about one to one-and-a-half hour. *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA (Jharkhand): I raised that issue, Sir. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I also visited there. So, I just wanted to inform you about it, *...(Interruptions)...*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I am not criticising, Sir, what has happened has happened. If you just go from here to 1st Floor or 3rd Floor by a lift, these lifts are before BC. *...(Interruptions)...* it is not to criticise anybody. *...(Interruptions)...* It is not a political issue. *...(Interruptions)...* Sir, for example, if any person who has got phobia and he is there, he would have gone. One of the persons, I don't know whether the hon. Chair got the information, was to be put on oxygen. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Oxygen was regularly supplied. *...(Interruptions)...*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: My only request is, because we have now an important thing, there has to be total replacement of these lifts and then there should be open lifts with oxygen coming inside. *...(Interruptions)...* It is a serious matter. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is not only lifts, there are certain things, which are being looked into, and discussions are going on. *...(Interruptions)..*

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: My suggestion to the Chair is that rather than Chair taking the responsibility, it is the duty of the Parliamentary Affairs Minister or the CPWD or the Urban Affairs Ministry or whoever is looking after it, they should seriously look into this matter. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: We have taken up the matter with the Ministry. *...(Interruptions)...*

DR. (SHRIMATI) NAJMA A. HEPTULLA (Rajasthan): I know, Sir, you are doing it because. *...(Interruptions)...*

श्री एम. वेंकैया नायडु : बाहर गलत message जाएगा। पूरे टीवी चैनल्स में यह न्यूज चल रहा है कि पार्लियामेंट में ऐसा हो गया।

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): It is a very serious matter. *...(Interruptions)...* Ceilings are collapsing. *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: Shri Murli Deora's room ceiling collapsed. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have taken up this matter. I was there on that day. *...(Interruptions)...*

SHRI S.S. AHLUWALIA: The roof here is covered that is why we are safe. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is a larger issue we are addressing.

——————

THE BUDGET (GENERAL), 2009-10 - *(contd.)*

श्री साबिर अली (बिहार) : I thank you for giving me an opportunity to discuss the Budget. सर, अपनी बात को शुरू करने से पहले मैं यह कहना चाहूंगा कि मैं जो भी कहूंगा, सच कहूंगा, सच के सिवा कुछ भी नहीं कहूंगा। मैं ऐसी बातों को कहने जा रहा हूं ...(**व्यवधान**)... नहीं, लोग भाषण भी देते हैं, लेकिन मैं यहां भाषण नहीं देना चाहूंगा। यहां जितने भी लोग बैठे हैं, वे यहां से बाहर जा कर भाषण देते हैं, इसीलिए मैंने कहा कि मैं जो भी कहूंगा, सच कहूंगा, सच के सिवा कुछ भी नहीं कहूंगा।

सर, मैं सिर्फ तीन इश्यूज़ पर बात करूंगा। मैं बिहार से आता हूं और बिहार एक ऐसी स्टेट है, जिसकी सिचुएशन आज यह है कि एक यतीम की तरह है। उसके सिर पर हाथ तो फिराया जाता है, लेकिन उसकी मदद नहीं की जाती है। मैं मंत्री महोदय से यह मांग करता हूं कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए।

सर, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि जिस वक्त बिहार का बंटवारा हुआ था, उस समय बिहार से झारखंड को अलग नहीं किया गया था बल्कि मामला यह था कि झारखंड से बिहार को अलग कर दिया गया था। आप देखें, बिहार में एक भी ऐसी इंडस्ट्री नहीं है, जो बिहार सरकार को रेविन्यू देती हो। There is not even a single industry. बिहार के नौ करोड़ लोगों को आज किसी तरह का रेविन्यू देने की कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए बिहार प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। इस सदन में और दूसरे सदन में इसका आश्वासन भी दिया गया है। जिस वक्त बिहार का बंटवारा हुआ, वहां पर जितनी भी फैक्टरीज़ थीं, जितने भी खनन थे, वे सब झारखंड में चले गए। बिहार के हिस्से में सिर्फ वे ज़मीनें आईं, जो एक बार बाढ़ से ग्रसित हो जाती हैं और दूसरी बार सूखे से। वहां के लोग दिन-प्रतिदिन पलायन कर रहे हैं। हिन्दुस्तान का ऐसा कोई भी बड़ा शहर नहीं है, जहां से 20 लाख